

उनवान:- चिराग बनाम उदयसिंह वगै०
प्रार्थना पत्र अस्थाई निषेधाज्ञा अन्तर्गत धारा 212

दिनांक

फर्द अहकाम

24/3/25

प्रार्थी की और से अधिवक्ता श्री हंसराम गूर्जर एडवोकेट हाजिर प्रार्थी अधिवक्ता के इस अनुरोध पर कि प्रकरण अत्यावश्यक प्रकृति का है तथा प्रार्थी के पक्ष में अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा पारित नहीं किये जाने पर वाद व प्रार्थना पत्र का उद्देश्य ही असफल हो जायेगा। प्रार्थना पत्र अन्तरिम अस्थायी निषेधाज्ञा के बिन्दू पर वकील प्रार्थी की एक पक्षीय बहस सुनी गई। वकील प्रार्थी का कथन है कि अप्रार्थीगण प्रश्नगत भूमि में सायल को प्रार्थी के पक्ष में अंतरिम निषेधाज्ञा जारी की जावे। प्रार्थना पत्र की प्रकृति एवं आकस्मिकता को देखते हुए गैरसायलान को आगामी पेशी तक जरिये अंतरिम अस्थाई निषेधाज्ञा से पाबन्द किया जाता है। कि विवादग्रस्त आराजी ख० न० 102/0.09, 1041/0.06, 1516/1807/0.11, 1691/0.28, 1694/1870/0.04, 1708/0.39, 1730/0.60, 381/0.14, 382/0.14, 383/0.12, 384/1821/0.02, 635/0.07, 906/1828/0.02, 963/0.37, 171/0.18, 632/0.08, 819/0.18, 820/0.06, 821/0.04, 955/0.15, 1003/0.32, 103/0.08, 1037/0.46, 1174/0.24, 1211/0.28, 1212/0.43, 1612/0.30, 1618/0.16, 236/0.21, 464/0.02, 633/0.14, 634/0.07, 737/0.25, 793/0.32, 799/0.20, 852/0.19, 868/0.38, 97/0.08, 1166/0.11, 1454/0.23, 1548/0.33, 286/0.14, 379/0.24, 408/0.08, 56/0.01, 728/0.17, 911/1885/0.18, 1248/0.18, 1249/0.20, 49/0.07, 55/0.07, है० स्थित ग्राम शहराकर तहसील टोडाभीम में रिकार्ड की यथास्थिति बनाये रखे।

प्रार्थी को निर्देशित किया जाता है। कि अप्रार्थीगण के नोटिस तामिल को सामान्य व साधारण प्रक्रिया के साथ-साथ अप्रार्थीगण को प्रार्थना पत्र दस्तावेज व नोटिस आदि की प्रतिया जरिये रजिस्टर्ड डाक से भिजवाना सुनिश्चित करे। तथा बहस हेतु तैयार नहीं होने पर आगामी सुनवाई को अस्थाई निषेधाज्ञा स्वतः निष्प्रभावी मानी जावेगी। प्रकरण को स्वच्छ हाथों से प्रस्तुत किया हुआ मानकर तथा एक पक्षीय सुनवाई के आधार पर न्यायालय के विवेकाधीन शक्तियों के तहत यह अन्तरिम अस्थाई निषेधाज्ञा जारी की गई है। लिहाजा प्रार्थीगण से यह अपेक्षा की जाती है। कि वह उपरोक्तानुसार अप्रार्थीगण पर एक पक्षीय आदेश की तामिल की उपर्युक्तानुसार ठोस कार्यवाही कर इस न्यायालय को प्रमाण पेश करे। तथा आदेश 39 नियम (3) (क) के प्रावधानों की पालना सुनिश्चित करे। अन्यथा अंतरिम आदेश को आईन्दा तारीख पेशी तक विस्तारित करने से पूर्व न्यायालय अपने विवेकाधिकार एवं अंतर्निहित शक्तियों का प्रयोग करेगा। जिन परिस्थितियों में यह अंतरिम निषेधाज्ञा पारित की गई है में परिवर्तन की दशा में संशोधित/वैकेट कर दी जावेगी। अप्रार्थीगण को जरिए रजिस्टर्ड नोटिस तलब किया जावे। पत्रावली दिनांक 17.04.2025 को पेश हो।

1228-34
24/3/25


(पूजा मीना)

उपखण्ड अधिकारी पदेन सहायक कलक्टर
टोडाभीम जिला करौली

